

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2013

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-I

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (अष्टकवर्ग)

1. भिन्नाष्टकवर्ग और सर्वाष्टकवर्ग से आप क्या समझते हैं? निम्नलिखित कुण्डली के लिये सूर्य एवं बृहस्पति का भिन्नाष्टकवर्ग की गणना करें :
जन्मतिथि : 27.4.1977, रात्रि 09 बजकर 20 मिनट, दिल्ली
लग्न 7S.15°.44', सूर्य 12S.13°.44', चन्द्रमा 3S.26°.04', मंगल 11S.06°.29',
बुध(व) 12S.18°.33', बृहस्पति 1S.11°.29', शुक्र 11S.14°.43',
शनि 3S.16°.40', राहु 6S.0°.43',
2. i) त्रिकोण एवं एकाधिपत्य शोधन के क्या नियम हैं?
ii) प्रश्न संख्या 1 के आधार पर बृहस्पति के अष्टकवर्ग की शोधन कुण्डली बनाए।
3. लग्न-तुला 8:53, सूर्य-कन्या 25:21, चन्द्रमा-वृश्चिक 17:14, मंगल-कन्या 13:42, बुध-तुला 10:30, बृहस्पति-धनु 8:23, शुक्र-सिंह 14:15, शनि(व)-वृष 27:02, राहु-धनु 27:54 (जन्मतिथि : 12.10.1972, जन्म समय : सुबह 7:10, 26उ28, 80पू41, दशा शेष बुध 16-3-11)
सर्वाष्टकवर्ग : I-30; II-22; III-30; IV-26; V-23; VI-33; VII-24; VIII-23; IX-30; X-38; XI-29; XII-29
i) दी गई कुण्डली में किन-किन भाव को शुभ अथवा अशुभ मानेंगे? कारण स्पष्ट करें।
ii) जातक के जीवन के किस भाग को आप समृद्ध रूप में देखते हैं? कारण स्पष्ट करें।
iii) किस दिशा की ओर जातक को सफलता प्राप्त होगी और क्यों?
iv) आप पंचम भाव के बारे में, जो कि 23 बिंदु से युक्त है, क्या कहेंगे?
v) जातक को किस आयु में अशुभ घटनाओं का सामना करना पड़ सकता है?
4. कक्षा के नियम से आपका क्या अभिप्राय है? बृहस्पति ने 31 मई 2013 को मिथुन में प्रवेश किया। प्रश्न संख्या 3 में दी गई कुण्डली के आधार पर जातक के लिए बृहस्पति के गोचर के शुभ और अशुभ समय के बारे में बताए।
5. ग्रह और राशि गुणाकर क्या होते हैं? अष्टकवर्ग में इनका प्रयोग किस प्रकार से होता है?

भाग-II (प्रश्न ज्योतिष)

6. एक प्रश्नकर्ता ने जयपुर में ज्योतिषी से 23.02.2013 को रात्रि में 10 बजकर 05 मिनट पर निम्नलिखित प्रश्न पूछा:
i) प्रश्नकर्ता के घर में दिन में चोरी हुई और तिजोरी में से सारे जेवरराज, नकद और कानूनी कागजात निकाल लिए गए। अतः वसूल के कोई आसार हैं अथवा नहीं? निम्नलिखित प्रश्नकुण्डली के आधार पर कारण सहित अपना उत्तर स्पष्ट दें :
लग्न-तुला 01°.06', सूर्य-कुम्भ 11°.12', चन्द्रमा-कर्क 15°.32', मंगल-कुम्भ 23°.01',
बुध(व)-कुम्भ 25°.50', बृहस्पति-वृष 13°.16', शुक्र-कुम्भ 02°.59', शनि(व)-तुला 17°.28', राहु-तुला 26°.43',
ii) प्रश्न कुण्डली से आप कैसे जानेंगे कि जातक की अभिलाषा पूर्ण होगी?
7. निम्न घटनाओं सम्बन्धी प्रश्न का उत्तर किस प्रकार से देंगे? विस्तार से समझाएं (कोई दो):-
i) लापता व्यक्ति ii) संतान प्राप्ति iii) मुकदमा
8. निम्नलिखित दिए गए किन्हीं दो योगों के बारे में विस्तार से बताएं और यह भी बताएं कि इन योगों का प्रयोग प्रश्न कुण्डली में किस प्रकार किया जाता है :
i) इशराफ योग ii) कम्बूल योग iii) नक्त योग
9. एक जातक ने 14 अप्रैल 2011 को सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर हैदराबाद में एक ज्योतिषी से निम्नलिखित प्रश्न किये :
i) क्या उसको विदेश में नौकरी मिल पाएगी?
ii) क्या यह एक समृद्धशाली कदम होगा?
iii) क्या उसको मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा?
निम्नलिखित कुण्डली के आधार पर अपना उत्तर दें :
लग्न-मिथुन 22:30, सूर्य-मीन 29:56, चन्द्रमा-सिंह 05:34, मंगल-मीन 15:20,
बुध(व)-मीन 22:15, बृहस्पति-मीन 24:16, शुक्र-कुम्भ 27:37, शनि(व)-कन्या 19:04,
राहु-धनु 1:30
10. प्रश्न कुण्डली की क्या सीमाएं हैं? क्या जन्म कुण्डली और प्रश्न कुण्डली में कोई सम्बन्ध है? विवेचना करें।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2013

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य है। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (घडबल)

1. i) निम्नलिखित जन्मांग के लिए नैसर्गिक बल की गणना करें :-
लग्न-सिंह 04:12, सूर्य-तुला 16:58, चन्द्रमा-सिंह 22:06, मंगल-वृश्चिक 22:03,
बुध(व)-तुला 18:18, बृहस्पति-कन्या 07:40, शुक्र-कन्या 10:30, शनि-कन्या
11:29, राहु-कर्क 22:04 (पुरुष, 03.11.1980, रात्रि 01 बजकर 05 मिनट,
स्थान 77.12, 28.36)
ii) ऊपर दिए गए जन्मांग के आधार पर उच्चबल की गणना करें।
2. प्रश्न 1 के आधार पर केंद्र और त्रेकोण बल की गणना करें।
3. प्रश्न 1 में दिए हुए जन्मांग में यह मानते हुए कि सभी भाव का भाव मध्य 10 अंश हैं, भाव दिग्बल की गणना करें।
4. किन्हीं चार पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए :-
i) ग्रहों का कालबल, ii) अयन बल
iii) युग्मायुग्म बल iv) नतोन्नत बल v) सृष्ट्यादि अहर्गन
5. निम्नलिखित उत्तर दें :-
i) ग्रह का चेष्टाबल ----- पर अधिकतम होता है।
ii) युद्ध बल में कौनसा ग्रह युद्ध जीतता है?
iii) शारदीय विषुव पर चन्द्रमा का अयनबल कितना होता है?
iv) यदि किसी शनिवार के दिन, जातक का जन्म दिन में 4 बजे हो, सूर्योदय
5.30 पर हुआ हो, ऐसे में होराधिपति कौन होगा?
v) शुक्लपक्ष में किन ग्रहों के (चन्द्रमा और बुध को छोड़कर) पक्ष बल की वृद्धि होती है?
vi) कौन से भाव में कीट राशि को सबसे अधिक भाव दिग् बल प्राप्त होगा?
vii) बुध का उच्च बल क्या होगा यदि वह 345 अंश पर स्थित है?
viii) बृहस्पति का युग्मायुग्म क्या होगा यदि वह उच्च एवं वर्गोत्तम भी है?
ix) यदि शुक्र अष्टम भाव में हो तब उसका केंद्र बल क्या होगा?
x) कष्ट फल की गणना में किन दो बलों का प्रयोग होता है?

भाग-II (भाव निर्णय)

6. किन्हीं दो प्रश्नों को करें :-
i) क्या वर्ग कुण्डली पर योग लागू हो सकते हैं? समझाएं।
ii) चतुर्थ, अष्टम तथा द्वादश भावों के कारकत्वों के बारे में बताएँ।
iii) संपत्ति संग्रह पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए।
7. प्रश्न 1 में दी गई कुण्डली के सप्तम भाव का आंकलन करें और जातक के विवाह के सन्दर्भ के बारे में बताएं।
8. स्पष्ट करें :-
i) योग कारक का बाधक होना (वृष के लिए शनि, सिंह के लिए मंगल और कुंभ के लिए शुक्र)
ii) भावात्-भावम् मन्तव्य
9. राशि कुण्डली एवं भाव कुण्डली में क्या कोई अंतर होता है? फलादेश में आप इनका प्रयोग किस प्रकार करेंगे? विस्तार से बताएँ।
10. i) उदाहरण द्वारा लग्नेश की उपयोगिता बताएं।
ii) गजकेसरी योग क्या है?

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2013

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-III

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (आयुर्दाय)

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये :-
 - i) आयुर्दाय में दशाओ की क्या भूमिका है?
 - ii) आयुर्दाय के निर्णय में दूसरे और सातवे भाव का क्या महत्व है?
 - iii) योगारिष्ट क्या है? चर्चा करें।
2. निम्नलिखित कुण्डली के लिए पिंडायुर्दाय की गणना करें :
लग्न-10 रा 3:12, सूर्य-5 रा 24:23, चन्द्रमा-6 रा 10:21, मंगल-5 रा 22:36,
बुध(व)-5 रा 23:29, गुरु-3 रा 0:32, शुक्र-5 रा 15:11, शनि(व)-1 रा 19:13,
राहु-4 रा 10:25 (अक्टूबर 11, 1942, दोपहर 04:04, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश)
3. आयुसीमा ज्ञात करने की विधि समझाए व निम्न पत्रिका के लिए निर्धारण करें।
लग्न 4 रा 10:58, सूर्य-3 रा 29:59, चन्द्रमा-1 रा 27:05, मंगल-2 रा 12:02,
बुध-3 रा 11:41, बृहस्पति-3 रा 27:16, शुक्र-3 रा 27:39, शनि-4 रा 20:38,
राहु-4 रा 14:59 (अगस्त 17, 1979, 6:50, हैदाबाद)
4. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए :-
 - i) 64 नवांश,
 - ii) दैष्कोण,
 - iii) बालारिष्ट में चन्द्रमा की महत्ता
 - iv) छिद्र ग्रह
5. बताए क्या निम्न योग पूर्णायु दर्शाते हैं या नहीं?
 - i) लग्नेश लग्न को देखे, अष्टम भाव को अष्टमेश देखे और बृहस्पति केन्द्र में हो।
 - ii) राहु सप्तम भाव में हो, चन्द्रमा अष्टम भाव में हो और बृहस्पति लग्न में हो।
 - iii) यदि सभी ग्रह लग्न से चतुर्थ भाव में स्थित हो।
 - iv) पहले 6 भावों में शुभ ग्रह हों और बाद के 6 भावों में अशुभ ग्रह हों।
 - v) बृहस्पति लग्न में हो, शुक्र चतुर्थ भाव में हो, शनि और चन्द्रमा दशम भाव में हो।
 - vi) शनि अष्टम भाव में हो, मंगल पंचम भाव में हो और केतु लग्न में हो।
 - vii) शनि लग्न में अशुभ ग्रह की राशि में हो और शुभ ग्रह 3, 6, 9, 12 में हो।
 - viii) बृहस्पति लग्नेश से केन्द्र में हो और कोई भी अशुभ ग्रह का प्रभाव न हो।
 - ix) उच्च का बृहस्पति लग्न में हो और एक और ग्रह कुण्डली में उच्च का हो।
 - x) लग्न, द्वितीय एवं अष्टम में केवल अशुभ ग्रह हों और केन्द्र को छोड़कर बाकी अन्य भावों में शुभ ग्रह हों।

भाग-II (चिकित्सा ज्योतिष)

6.
 - i) अच्छे स्वास्थ्य के ज्योतिषीय योगों को लिखें।
 - ii) कुण्डली में निम्नलिखित समस्या को देखने के लिए किन ज्योतिषीय नियमों को देखना होगा:
(अ) मानसिक रोग (ब) अधापन
7. 'सही' अथवा 'गलत' बताए:
 - i) सूर्य हड्डियों का कारक है,

- ii) बृहस्पति व चन्द्रमा वात प्रवृत्ति को दर्शाते है,
 - iii) शनि यकृत के विकार देता है,
 - iv) बली लग्नेश रोग से छुटकारे को दर्शाता है,
 - v) चूँकि बृहस्पति मन्द गाति वाला ग्रह है, इसलिए बृहस्पति लम्बी अवधि वाले रोग देता है,
 - vi) शुक्र मधुमेह का कारक है,
 - vii) अशुभ प्रभावों का फल अनुमन अशुभ गोचर के साथ ही आता है, विशेष तौर पर लग्न, लग्नेश और चन्द्रमा आदि पर,
 - viii) बिमारी के पश्चात शुभ दशा स्वास्थ्य लाभ दिखाता है,
 - ix) बुध, चंद्रमा और मंगल के कारण मिर्गी का रोग होता है,
 - x) वृषभ, तुला, दूसरा भाव, सप्तम भाव व शनि दन्त रोग को दिखाते है,
8. निम्नलिखित पर चिकित्सा ज्योतिष में क्या महत्त्व है, संक्षिप्त में बताए:
- i) तृतीय भाव ii) छठा भाव iii) अष्टम भाव iv) द्वादश भाव v) द्रष्टा और शारीरिक अंग
9. इस जातक की मृत्यु आहार नली में कैंसर के रोग से शुक्र-शुक्र-सूर्य में सितम्बर 2012 में हुई। ज्योतिषीय विवेचन करें।
- जन्म 28.9.1946, 12:00 दोपहर, एटा (उ.प्र.)
- लग्न-वृश्चिक 27:25, सूर्य-कन्या 11:25, चन्द्रमा-तुला 15:15, मंगल-तुला 9:18, बुध-कन्या 21:43, बृहस्पति-तुला 7:28, शुक्र-तुला 25:47, शनि-कर्क 13:16, राहु-वृष 21:01, शुक्र-शुक्र-सूर्य - 8.9.2012 से 8.11.2012 तक
10. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें :-
- i) 64 नवांश,
 - ii) चिकित्सा-ज्योतिष में कालपुरुष की धारणा की व्याख्या करें,
 - iii) जन्म के समय आरंभ हुई दशा

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2013

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-IV

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (दशा पद्धति)

1. निम्न का उत्तर दीजिए :-
 - i) राहु दशा के सामान्य परिणाम क्या होंगे?
 - ii) निम्नलिखित कुण्डली का निरीक्षण करे व राहु/बुध/शनि दशा के परिणाम की विवेचना करें :-
लग्न-धनु 29:18, सूर्य-मिथुन 21:44, चन्द्रमा-कन्या 4:16, मंगल-वृष 29:02, बुध-मिथुन 3:24, बृहस्पति-कन्या 9:12, शुक्र-कर्क 15:47, शनि-कन्या 10:16, राहु-कर्क 8:11 (जुलाई 7, 1981, शाम 7:05, 85E20, 23N21-बिहार)
2. ज्योतिषी के पास एक जातक ने प्रश्न किया कि यह समय उसके विवाह के लिए उपयुक्त होगा? जातक की दी हुई कुण्डली के आधार पर विवाह का उपयुक्त समय बताएं (प्रत्यंतर दशा तक देखें)
लग्न-3S17:43, सूर्य-3S5:17, चन्द्रमा-9S13:44, मंगल(व)-8S20:41, बुध(व)-3S7:37, गुरु(व)-10S29:00, शुक्र-4S18:0, शनि(व)-7S9:36, राहु-12S1:18, (जुलाई 22, 1986, सुबह 6:51, हैदराबाद, आंध्रप्रदेश)
3. नीचे दी गई कुण्डली के आधार पर शुक्र महादशा (20 वर्ष) का क्या सामान्य फल होगा?
16.02.1984, सुबह 10:00 बजे, गया-पटना, जन्म दशा-बुध, लग्न-मेष 13°:03', सूर्य-कुंभ 3°:04', चन्द्रमा-कर्क 21°:03', मंगल-तुला 23°:11', बुध-मकर 17°:11', बृहस्पति-धनु 11°:52', शुक्र-मकर 2°:40', शनि-तुला 22°:42', राहु-वृष 18°:28', जातक की शुक्र दशा 15.07.2002 को आरम्भ हुई है।
4. निम्न घटनाओं के घटित होने के समय का फलादेश कैसे करेंगे? (किन्हीं दो को करें)
 - i) पहली नौकरी ii) स्वयं का घर लेना iii) विवाह
5. उत्तर दें :-
 - i) सूर्य की महादशा के सामान्य फल क्या होंगे?
 - ii) शुक्र महादशा में शनि अन्तर्दशा हो अथवा शनि महादशा में शुक्र अन्तर्दशा हो तब क्या परिणाम होंगे?

भाग-II (गोचर)

6. निम्नलिखित के उत्तर दीजिये :
 - i) मूर्ति निर्णय क्या हैं? किसी ग्रह की मूर्ति किस प्रकार निर्धारित किया जाएगा?
 - ii) मई 31, 2013 को सुबह 7 बजकर 13 मिनट पर बृहस्पति ने मिथुन में प्रवेश किया। सभी 12 राशियों के लिए बृहस्पति की मूर्ति का निर्णय करें।
7. इनमें से कौन फलादेश में अधिक सहायक होता है- दशा अथवा गोचर? विस्तार से बताएं यदि किसी एक अथवा दोनों पर निर्भर होना चाहिए।
8. उत्तर बताएं :-
 - i) साढ़े सती से आप क्या समझते हैं? अपने विचार दीजिए।
 - ii) वेध और विमरीत वेध पर प्रकाश डालें।
9.
 - i) बृहस्पति व शनि का गोचर घटनाओं के समय निर्धारण किस प्रकार सहायक है। अन्य किन ग्रहों का गोचर समय की छोटी सीमा निर्धारण में सहायक है।
 - ii) सामान्यतः गोचर फल जन्म राशि से देखे जाते हैं। क्या कोई अन्य बिन्दु भी है जो गोचर फलादेश में सहायक है? वे कौन से हैं?
10. निम्नलिखित समस्या पर गोचर फलादेश से क्या सहायता मिल सकती है:
 - i) विवाह ii) स्वास्थ्य iii) नौकरी

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2013

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-V

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। हर एक भाग में से अनिवार्य प्रश्नों के अलावा कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं। सब प्रश्नों का अंक समान है। भाग एक का उत्तर जैमिनीय आधार पर एवं भाग दो पराशरी सिद्धांत के अनुसार उत्तर देना है।

भाग-I (जैमिनी ज्योतिष)

1. (अनिवार्य) :

- निम्नलिखित कुण्डली के लिए चर दशा की गणना करें।
- क्या जातक भारत में है अथवा विदेश में है और वह किस तरह के व्यवसाय में है? इस पर प्रकाश डालें।

जन्म तिथि: 01-12-1954, समय : सुबह 11 बजे, जन्म स्थान : मुंबई, महिला
लग्न-मकर 12:32, सूर्य-वृश्चिक 15:15, चन्द्रमा-मकर 18:55, मंगल-कुंभ 4:34,
बुध-वृश्चिक 2:03, बृहस्पति(व)-कर्क 6:22, शुक्र(व)-तुला 21:53, शनि-तुला
21:56, राहु-धनु 12:30, केतु-मिथुन 12:30, चन्द्रमा की भोग्य दशा : 3 वर्ष-3
मास-23 दिन

2. निम्नलिखित के लिए संक्षिप्त में टिप्पणी लिखें :-

- कारकांश की भूमिका
- फलादेश में अर्गला का प्रयोग
- त्रिकोण दशा

3. i) प्रश्न 1 में दी गई जातक की कुण्डली के आधार पर ग्रह एवं भाव बल की गणना करें।

ii) प्रश्न 1 में दी गई जातक की कुण्डली के आधार पर भाव लग्न, आरुढ लग्न, राज्य पद और दारा पद की गणना करें।

4. जैमिनी सिद्धांत के अनुसार आयुर्दाय की गणना के नियमों की विवेचना कीजिए।

5. जैमिनी पद्धति के अंतर्गत विभिन्न योगों की व्याख्या करें।

भाग-II (विवाह एवं मेलापक)

6. (अनिवार्य)

i) उदाहरण सहित दिखाए कि कौन सा महादशा और अन्तर्दशा विवाह की सम्भावना में सहायक बनती है?

ii) उदाहरण सहित दिखाए कि गोचर किस प्रकार विवाह की सम्भावना को प्रबल करता है?

7. आप कुण्डली के आधार पर किस प्रकार जान सकते हैं कि जातक अविवाहित रहेगा अथवा विवाह में विलम्ब होगा? निम्नलिखित कुण्डली के आधार पर अपने विचार बताएँ:

जन्म तिथि: 11-03-1984, जन्म समय : रात्री 00-58 बजे, जन्म स्थान : चेन्नई,
विंशोत्तरी भोग्य दशा : मंगल 4 वर्ष, 11 महीने, 3 दिन, पुरुष

लग्न-धनु 01:56, सूर्य-कुंभ 26:47, चन्द्रमा-वृष 27:17, मंगल-वृश्चिक 01:07,
बुध-कुंभ 28:44, बृहस्पति-धनु 15:39, शुक्र-कुंभ 01:47, शनि(व)-तुला 22:33,
राहु-वृष 16:30, केतु-वृश्चिक 16:30

8. निम्नलिखित कुण्डली के आधार पर जातक के वैवाहिक जीवन पर प्रकाश डालें:
जन्म तिथि : 05.08.1984, जन्म समय : सुबह 08.20 बजे, जन्म स्थान : मेरठ,
महिला, भोग्य दशा बृहस्पति 1 वर्ष 6 महीने 12 दिन
लग्न सिंह 22-21, सूर्य कर्क 19-31, चन्द्रमा वृश्चिक 02-04, मंगल वृश्चिक 00-04,
बुध सिंह 15-58, बृहस्पति(व) धनु 10-26, शुक्र सिंह 03-02, शनि तुला 16-29,
राहु वृष 10-30, केतु वृश्चिक 10-30
9. निम्नलिखित के लिए संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए :
- विवाह सम्बंधित भाव
 - विवाह मेलापक में दोषों का मूल्यांकन
 - सप्तम भाव में अशुभ ग्रहों का प्रभाव
 - नाडी दोष के अपवाद
10. निम्नलिखित योगों के आधार पर जातक के वैवाहिक जीवन पर प्रकाश डालिए:
- लग्न में यदि उच्च का शुक्र बैठा हो और उसपर 11 भाव में बैठे शनि की दृष्टि हो ।
 - सप्तम भाव में नीच के शुक्र के साथ बुध बैठा हो और उस पर बृहस्पति की सप्तम दृष्टि हो।
 - मंगल और शनि लग्न में मकर राशि में स्थित हों और सप्तम में बृहस्पति हो।
 - सिंह लग्न हो और सप्तम भाव में सूर्य एवं शनि स्थित हों।
 - चन्द्रमा, शुक्र और बुध सप्तम भाव में मीन राशि में हो और एकादश भाव में बैठे बृहस्पति से दृष्ट हों।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2013

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-VI

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (फलादेश की मिश्रित एवं उच्च तकनीक)

- नीचे दी गई जन्म पत्रिका अध्ययन कर निम्न प्रश्नों का उत्तर दें :
क) कुण्डली का सप्तांश व नवांश बनाए।
ख) जातक व्यवसाय बताए।
ग) क्या जातक के बच्चे उसी व्यवसाय में है।
पुरुष : 12.12.1950, 23:50, बैलौर, जन्म पर शेष दशा चन्द्रमा : 7वर्ष 1मा 7दिन
लग्न:सिंह 20-30, सूर्य:वृश्चिक 27-00, चन्द्रमा:मकर 13-52, मंगल:मकर 04-48,
बुध:धनु 17-06, बृहस्पति:कुंभ 08-17, शुक्र:धनु 04-02, शनि:कन्या 08-22,
राहु:मीन 00-45, केतु:कन्या 00-45
- किन्ही दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें
क) नवांश और वैवाहिक जीवन
ख) द्वादशांश व माता पिता का सुख
ग) त्रिंशांश का फलादेश में महत्व
घ) विदेश यात्रा के योग
- क) आप यह कैसे पता लगाते है कि जातक सरकारी नौकरी में है अथवा निजिक्षेत्र के संस्थान में
ख) क्या जातक देश में है अथवा विदेश में
ग) बृहस्पति - शुक्र दशा (30.8.2010 से 30.4.2013) के फल
निम्न कुण्डली के आधार पर उत्तर दें :
जन्म 06-08-1971, 16-37-52 घण्टे, बर्नपुर, चन्द्रमा दशा जन्म पर 7व-2मा-15दि,
पुरुष,
लग्न-धनु 22:54, सूर्य-कर्क 19:52, चन्द्रमा-मकर 15:3, मंगल(व)-मकर 24:32,
बुध-सिंह 15:24, बृहस्पति-वृश्चिक 3:22, शुक्र-कर्क 14:01, शनि-वृष 11:24,
राहु-मकर 21:4, केतु-कर्क 21:4
- क) अव्यवहारिक विवाह के पाँच योग बताए।
ख) प्रश्न 3 के जातक के वैवाहिक जीवन पर प्रकाश डाले।
- यह कैसे देखेंगे कि जातक धनवान है व अचल संपत्ति का मालिक है? प्रश्न 1 की कुण्डली की सहायता से समझाए।

भाग-II (ज्योतिषीय मौसम एवं मेदनीय ज्योतिष)

- वर्ष 2013 की आर्द्रा प्रवेश कुण्डली नीचे दी गई है। इस वर्ष में विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा की स्थिति पर चर्चा करें।
20.06.2013, 4:34 घंटे, दिल्ली
लग्न-वृष 23:50, सूर्य-मिथुन 6:40, चन्द्रमा-वृश्चिक 15:00, मंगल-वृष 21:07
बुध-मिथुन 28:15, बृहस्पति-मिथुन 5:0, शुक्र-मिथुन 28:58, शनि(व)-तुला 10:58,
राहु-तुला 22:03, केतु-मेष 22:03
- निम्न के कोई पांच योग बताए:
क) रेल दुर्घटना ख) भूचाल ग) सूखा घ) अग्नि दुर्घटना
- संप्त नाडी चक्र व सन्धट्टा चक्र का मेदनीय ज्योतिष क्या प्रयोग है?
- चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (वर्ष प्रवेश) 2013 की कुण्डली बनाए और भारत में होने वाली घटनाओं के बारे में बताए।
- बहुमूल्य धातुओं, तेल व कपास की कीमतों के उतार चढ़ाव को समझाए।